'अपराध से न्याय तक...' का सिद्धांत 10 मॉडल में लाइव डेमो दिखेगा

जयपुर में ''नए आपराधिक कानूनों'' पर भव्य प्रदर्शनी आज से शुरू होगी, 18 तक जारी रहेगी

जयपुर (कासं)। देश में लागू हुए नवीन आपराधिक कानूनों को लेकर राजधानी जयपुर में 13 अक्टूबर से एक भव्य व आकर्षक प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इस ऐतिहासिक प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा।

इस विशेष दिन यानी 13 अक्टूबर को प्रवेश केवल आमंत्रण पत्र के माध्यम से ही होगा, जबकि 14 से 18 अक्टूबर तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आमजन व हितधारक बिना आमंत्रण पत्र के इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे।

इस प्रदर्शनी में न्यायिक प्रक्रिया को 10 अलग-अलग ज़ोन या मॉडल में विभाजित किया गया है। जहाँ आगंतुकों को अपराध की सूचना से लेकर अंतिम न्यायिक निर्णय तक की पूरी यात्रा का लाइव डेमो दिखाया जाएगा।

प्रदर्शनी का लेआउट न्याय प्रथम के सिद्धांत पर केंद्रित है, जिसने न्याय प्रणाली की जटिलताओं को सरल और सुलभ बना दिया।

प्रदर्शनी को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि कोई भी व्यक्ति विशेषकर विद्यार्थी आसानी से समझ सकें कि नए कानूनों के तहत प्रत्येक सरकारी विभाग कैसे काम करता है।

(चरण 1) शिकायत और जांच का आरंभ

मॉडल 1: कंट्रोल रूम : यहाँ यह दिखाया गया कि डायल 112 जैसे आपातकालीन नंबर पर कॉल कैसे प्राप्त होता है और पुलिस कैसे तुरंत प्रतिक्रिया देती है। यह पुलिस की तत्परता और संचार प्रणाली को दर्शाता है।

मॉडल 2: सीन ऑफ क्राइम : इस मॉडल में, एक अपराध स्थल की प्रतिकृति बनाई गई थी। यहाँ फोरेंसिक साइंस टीमों को साक्ष्य एकत्र करते हुए लाइव दिखाया गया, जिसमें वीडियोग्राफी की अनिवार्यता पर ज़ोर दिया गया।

मॉडल 3: पुलिस स्टेशन : यह ज़ोन ई-एफआईआर और ज़ीरो एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया को दर्शाता था, जिससे आम नागरिकों को यह समझने में मदद मिली कि शिकायत दर्ज करना अब कितना सरल और पारदर्शी हो गया है।

(चरण 2) वैज्ञानिक और कानूनी सत्यापन

मॉडल 4: हॉस्पिटल : इस मॉडल ने चिकित्सा साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया। यहाँ पीड़ितों की मेडिकल जांच और कानूनी पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया दिखाई गई, जिसे नए कानूनों के तहत समयबद्ध और डिजिटल रूप से करना अनिवार्य है।

मॉडल 5 एफएसएल : यह प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जहाँ वैज्ञानिक साक्ष्यों के विश्लेषण की प्रक्रिया को समझाया गया। यहां दर्शाया गया कि कैसे अनिवार्य एफएसएल जांच वैज्ञानिक प्रमाण पर आधारित दोषसिद्धि दर को बढ़ाने में मदद करती है।

मॉडल 6: पब्लिक प्रॉसिक्यूशन ऑफिस : एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद यहाँ यह दिखाया गया कि अभियोजन विभाग कैसे सबूतों और चार्जशीट की समीक्षा करता है और उन्हें कोर्ट में पेश करने के लिए तैयार करता है।

(चरण 3) न्याय और सुधार

मॉडल 7: डिस्ट्रिक्ट कोर्ट : इस मॉडल में एक अदालत की कार्यवाही का डेमो दिया गया। यहाँ पर समयबद्ध ट्रायल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की प्रस्तुति को दर्शाया गया, जो त्वरित न्याय सुनिश्चित करने का मुख्य आधार है।

मॉडल 8: प्रिजन : इस ज़ोन ने जेल सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया। यहाँ जेल प्रबंधन के डिजिटलीकरण और कैदियों के पुनर्वास के कार्यक्रमों को दिखाया गया, जो दंड के बजाय सुधार पर ज़ोर देते हैं।

मॉडल 9: हाईकोर्ट : यह ज़ोन उच्च न्यायिक अपील और समीक्षा की प्रक्रिया को दर्शाता है जो मामले के अंतिम चरण की ओर ले जाता है।

मॉडल 10: नए आपराधिक कानूनों का संक्षिप्त विवरण : अंतिम ज़ोन में तीनों नए कानूनों के प्रमुख प्रावधानों जैसे कि ई-एफआईआर, सामुदायिक सेवा और भगोड़े अपराधियों के ट्रायल को सरल भाषा में समझाती हुई जानकारी दी गई। इसमें पुराने और नए कानून के बारे में भी पूरी व्याख्या की गई है।

यह प्रदर्शनी विशेष रूप से विद्यार्थियों, महिलाओं, अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारियों और नागरिक संस्थाओं के लिए अत्यंत उपयोगी है। इन्हें प्रदर्शनी में आकर अपराध से लेकर न्याय तक की पूरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने का एक दुर्लभ अवसर मिलेगा।

प्रदर्शनी से पब्लिक को मिलेगा सीधा लाभ

प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को न्याय प्रणाली में हुए बड़े बदलावों से परिचित कराना है। पब्लिक को वहाँ आकर तीन बड़े और सीधे फायदे मिले: नागरिक देख पाएंगे कि ई-एफआईआर और ज़ीरो एफआईआर जैसे प्रावधानों से शिकायत दर्ज कराना कितना आसान हो गया है, पुलिस और कोर्ट की प्रक्रिया कैसे चलती है।

प्रदर्शनी ने जोर दिया कि अब मामलों के निपटारे के लिए सख्त समय-सीमा है। जहां लोगों को यह आश्वासन मिला कि उन्हें न्याय पाने के लिए सालों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि यह प्रणाली समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। संक्षेप में आमजन को यह पता चलेगा कि भारत की न्याय प्रणाली अब नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और आधुनिक बन चुकी है।

व्यापारियों को हनीट्रैप में फंसाकर पैसा लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

गिरोह के मुख्य सरगना सहित एक महिला गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए व्यापारियों को हनीट्रैप में फंसा कर पैसा लूटने वाले गिरोह के मुख्य सरगना सहित एक महिला को गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि ये पहले पैसे वाले लोगों को चिन्हित करते हैं, फिर मुख्य सरगना उनसे बातचीत करके अपने गिरोह की लड़कियों के नंबर देकर बातचीत के लिए किसी अच्छी जगह पर बुलाते है। उसके बाद लोगों से बातचीत करने के दौरान चुपके से अश्लील फोटो-वीडियो बना लेते है। बाद में ब्लैकमेल करके पैसा ऐंठने का काम करते है। गिरोह में दो और लड़कियां है जो अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। जिनकी तलाश की जा रही है।

बजाज नगर पुलिस ने व्यापारियों को हनीट्रैप में फंसा कर पैसा लूटने वाले गिरोह के मुख्य सरगना सहित एक महिला को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि जाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए व्यापारियों को हनीट्रैप में फंसा कर पैसा लूटने वाले गिरोह के मुख्य सरगना मुकेश कुमार शर्मा(बागडा) निवासी शिवदासपुरा जयपुर और नीतू सोनी निवासी श्रीगंगानगर हाल करणी विहार को गिरफ्तार किया। दोनों ही आरोपियों ने एक कॉल गर्ल का गिरोह बना रखा है। जो जयपुर शहर के महावीर नगर, दुर्गापुरा और करणी विहार क्षेत्र में किराये पर रहकर पैसे वाले लोगों की तलाश करते हैं। वहीं दो अन्य आरोपी महिला आरती शर्मा और दिव्या सोलंकी उर्फ दिव्या फरार चल रही है,उनके संभावित ठिकानों पर दबिश मारी जा रही है।

चौपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। करधनी पुलिस ने चौपहिया वाहन चोर आलोक चौधरी (33) निवासी बयाना जिला भरतपुर हाल खोराबीसल जयपुर को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि आरोपी के पास से चोरी की एक कार भी बरामद की है। गौरतलब है कि 25 सितम्बर को ओमेक्स सिटी बगरू से एक कार चोरी हुई थी। जिसका मामला बगरू थाने में दर्ज हुआ था। लेकिन कई प्रयास करने के बाद भी कार बरामद नहीं हुई।

सार-समाचार

आर.के.रस्तोगी नेगोशिएशन प्रतियोगिता

जयपुर। मुंबई के विवेकानंद कॉलेज ने जयपुर स्थित विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित तृतीय आर.के.रस्तोगी नेगोशिएशन प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। मारवाड़ी कॉलेज राजकोट की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि निम्स कॉलेज की टीम को असाधारण प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पंकज मित्तल रहे, जबकि राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम और कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरूआत में पूर्व एएसजी आर.डी.रस्तोगी ने स्व. आर.के.रस्तोगी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ और न्यायाधीश आनंद कुमार शर्मा ने विजेता तथा द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही टीमों को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। आयोजन सचिव सार्थक रस्तोगी, को-कन्वीनर डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी और लॉ कॉलेज की डीन पी.पी. मित्रा भी मौजूद थे।

पोस्टर व ई मैगजीन का अनावरण

जयपुर। करवा चौथ के पावन अवसर पर लेट्स ग्रो टुगेदर (एलजीटी) - लेट्स डू टुगेदर कार्यक्रम का आयोजन एआईएसी (ऑलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव) पैनल द्वारा किया गया। इस अवसर पर उद्यमी और ज्योतिष के प्रति उत्साही महिलाएं एक साथ आईं। कार्यक्रम में दीप्ति चौधरी सैनी, डॉ. पूनम मदान, मीनू गुप्ता, ज्योति पवार, ज्योति शर्मा, डॉ. कीर्ति, डॉ. जसलीन, नेहा, साक्षी ओझा और रिमी शेखावत उपस्थिति रही। आयोजक डॉ. मेघा शर्मा ने बताया कि, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एआईएसी सीज़न 2 कॉन्क्लेव के पोस्टर और 'एस्ट्रोलॉजिया मैगज़ीन - ई-मैगज़ीन' का अनावरण था।

पेंशनर समाज की बैठक संपन्न

जयपुर। पेंशनर समाज, मालवीय नगर की आर.सी.कटारा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। बैठक में चेतन कुमार जैन ने जीवन प्रमाण पत्र समय पर दाखिल करने की जानकारी दी और उपस्थित पेंशनरों के मौक़े पर ही प्रमाण पत्र भरवाए। बैठक के दौरान सचिव प्रीतम दास अरोड़ा ने बताया अगली बैठक 8 नवम्बर को होगी जिसमें न्यूरोलॉजिस्ट चिकित्सक न्यूरो रोगों की जानकारी देंगे। उप सचिव बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि बैठक में गत माह दिवंगत हुए पेंशनरों की श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत सीके बिड़ला हॉस्पिटल के हड्डी रोग और जोड प्रतिस्थापन विशेषज्ञ डॉ इक्षित अग्रवाल ने पेंशनरों को बताया हड्डियों का दर्द एक आम समस्या है। यह समस्या बुजुर्गों में ज्यादा देखने को मिलती है। समय पर इलाज कराकर रोग मुक्त हो सकते है। उन्होंने विभिन्न रोग सम्बन्धी समस्याओं के समाधान की जानकारी भी दी। हॉस्पिटल के आशीष शर्मा और आदित्य खंडेलवाल ने भी अपना आवश्यक सहयोग दिया।

ई-रिक्शा चुराने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा चुराने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी के नलौ ई-रिक्शा सहित एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया गया है। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त एक ऑटो भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा चुराने वाले सुल्तान निवासी शास्त्री नगर जयपुर और सुरेंद्र मीणा निवासी बूंदी हाल झोटवाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनो ही आरोपियों के पास से चुराए गए नौ ई-रिक्शा,चोरी की बाइक सहित एक वारदात में प्रयुक्त ऑटो भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित चोरी की बाईक से रैकी करते है और इसके बाद में टारगेट फिक्स होने पर वापस ऑटो लेकर आते है। टारगेट स्थान से ई रिक्शा चोरी कर ऑटो से बांधकर या चालू करके ई रिक्शा को चोरी करके ले जाते है। इसके चुराए गए ई- रिक्शाओं को एक सुनसान जगहों पर खडा करके उनकी बैटरी व अन्य पार्ट्स को निकाल लेते है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

न्यूड वीडियो कॉल कर महिला ने बुजुर्ग को किया ब्लैकमेल

आरोपी महिला ने 25 लाख रु. मांगे, बदनामी के डर से बुजुर्ग ने फंदे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सदर थाना इलाके में न्यूड वीडियो कॉल कर ब्लैकमेलिंग करने का मामला सामने आया है। ब्लैकमेलिंग से परेशान बुजुर्ग व्यक्ति ने फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। लेकिन उसके दोस्तों ने उसे बचा लिया और मामले की जानकारी परिजनों को दी। जिसके बाद परिजनों ने थाने पहुंच मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर महिला और उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जांच अधिकारी एसआई दिनेश कुमार ने बताया कि थाना इलाके में स्थित हसनपुरा निवासी 55 वर्षीय अधेड़ का आरोप है कि मध्यप्रदेश निवासी 25 वर्षीय युवती की मां उसकी परिचित है। आए दिन युवती उससे मोबाइल फोन पर अंकल -अंकल कहे कर बात करती थी। गत 3 सितम्बर को युवती की मां ने पीड़ित को कॉल कर बताया कि उसकी बेटी का पति आए दिन शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है। इसलिए वो बेटी को जयपुर भेज रहीं है और 6 हजार रुपए ऑन लाइन डालने की बात कहीं। पीड़ित ने युवती को 6 हजार रुपए ऑन लाइन डाल दिए। युवती ने 10 सितम्बर को पीड़ित को कॉल जयपुर आने की सूचना दी और 10 हजार रुपए देने के लिए कहा। दस हजार लेने के बाद युवती आए दिन पीड़ित के मोबाइल पर कॉल करने लग गई।

> **परिजनों ने आरोपी महिला और उसके पति के खिलाफ कराया मामला दर्ज**

आरोप है कि 12 सितम्बर को महिला ने उसे वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल किया । जिसमें वो न्यूड थी। महिला ने पीड़ित पर न्यूड होने का दबाव बनाया और नहीं होने पर बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद महिला ने ब्लैकमेल कर 50 हजार रुपए की डिमांड की। गत 26 सितम्बर को महिला के पति ने वॉट्सऐप कॉल कर पीड़ित को धमकाना शुरु कर दिया और 25 लाख रुपए की डिमांड करने लगा। जिसके बाद आरोपी ने 1 लाख रुपए कैश ले लिए। बाकी 24 लाख रुपए 10 दिन में देने का समय दिया। जिसके बाद पीड़ित ने 3 अक्टूबर को फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। परंतु उसी वक्त दोस्त मौके पर पहुंचे और उसे बचा लिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने पीड़ित की हिम्मत बढ़ाई और थाने पहुंच महिला और उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करेगा हैरिटेज निगम

जयपुर। हैरिटेज निगम क्षेत्र में दीवाली को लेकर सड़क और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई है। निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने रविवार को सफाई व्यवस्था को लेकर परकोटे के बाजारों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परकोटे क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का अवलोकन भी किया।

निगम आयुक्त ने जौहरी बाजार, घी वालों का रास्ता, बापू बाजार, सांगानेरी गेट, बड़ी चौपड़, किशनपोल बाजार में सड़क पर किए जा रहे पेचवर्क कार्य को देखा, इस दौरान उन्होंने किशनपोल जोन के इंजीनियर विंग को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। बाजार में कुछ स्थानों पर ओपन कचरा डिपो को पूर्णत: खत्म करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने बताया कि शहर में दीवाली को लेकर बाजार सजाए जा रहे है। दूर देश से देशी विदेशी पर्यटक भी शहर का दीदार करने आ रहे है। ऐसे में हेरिटेज निगम की ओर से सभी तैयारियां समय पर कर ली जाएगी।लाइट व्यवस्था, सीवर, सड़क पेचवर्क और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए जोन उपायुक्त को निर्देश दिए है कि वे मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को पाबंद करें और समयबद्ध कार्य पूरा करें।

जमीन के पट्टे देने के बाद नहीं दिया कब्जा, विरोध पर जान से मारने की धमकी दी

जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर फर्म नारायण ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड के ज्ञानचंद अग्रवाल के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

> **कोर्ट के आदेश पर फर्म नारायण ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड के ज्ञानचंद अग्रवाल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज**

बताया जा रहा है की पूर्व में ज्ञानचंद अग्रवाल के खिलाफ हिस्ट्रीशीट खोली गई थी। ज्ञानचंद अग्रवाल ने पीड़ित को दो प्लाटों के पैसे लेने के बाद उस पर कब्जा नही दिया। पीड़ित का आरोप है कि उसने ज्ञानचंद अग्रवाल की फर्म नारायण ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड से नारायण विहार में दो प्लाट लिए थे। जिसका पूरा भुगतान करने के कई साल बाद भी उसे प्लाटों पर कब्जा नहीं मिला। बार-बार प्लांटो पर कब्जा देने की बात को लेकर आरोपी ज्ञानचंद ने पीड़ित को जान से मरवा कर बाहर फेंकने की धमकी दी।

डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि अंगीराज भवन, फैक्ट्री एरिया मोड, सेनापति हाउस झोटवाडा निवासी ओमप्रकाश शर्मा (82) का आरोप है कि उसने नारायण विहार,जयसिंहपुरा में ज्ञानचंद्र से 130 गज का प्लॉट खरीथा। इन प्लॉटों के पैसे पीड़ित ने महेंद्र अग्रवाल को दे दिए थे। जिसके बाद प्लाट के मूल दस्तावेज आवंटन पत्र, साइड प्लान पीड़ित को मिल गए। आरोपी उसके बाद से ही उसे कब्जा देने के नाम से टालता रहा। 30 मई 2025 को पीड़ित दोबारा जब प्लाट पर कब्जा दिलाने के लिए आरोपियों के पास पहुंचा। तो आरोपियों ने कब्जा देने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि यह प्लाट उन्होंने राकेश राजोरिया को दे दिया है।

जिसके बाद ज्ञानचंद अग्रवाल ने पीड़ित को प्लॉट के बारे में चर्चा करने पर जान पर जान से मरवाने और बाहर फेंकने की धमकी दी।

दीपावली पर रोशनी से जगमगाएंगे घर

जयपुर डिस्कॉम ने 15 हजार 700 से अधिक घरेलू कनेक्शन जारी करने की तैयारी शुरू की

जयपुर । जयपुर डिस्कॉम ने घरेलू कनेक्शन चाहने वाले आवेदकों को दीपावली से पूर्व कनेक्शन जारी करने की विशेष तैयारी कर ली है। दीवाली से पूर्व निगम के सभी 18 सर्किलों में निगम स्तर लंबित सभी ऐसे 15 हजार 704 घरेलू कनेक्शन जारी किए जाएंगे, जिनमें डिमांड नोट जारी किए जा चुके हैं। इसके लिए सब डिविजन स्तर तक आवश्यक मैटेरियल उपलब्ध कराया जा चुका है। इन आवेदकों की दीवाली दीए के साथ-साथ बिजली से भी रोशन होगी।

डिस्कॉम प्रबंधन ने निगम के अधीक्षण अभियन्ताओं (ओ एण्ड एम) को निगम के स्तर पर लम्बित सभी सर्विस लाइन कनेक्शन शीघ्रता से जारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अधीक्षण अभियन्ताओं को दीपावली तक कनेक्शन जारी करने के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा प्रतिदिन मॉनीटरिंग के लिए कहा गया है। उन्हें अपने क्षेत्राधिकार वाले सभी सहायक अभियंताओं को यह निर्देशित करने के लिए कहा गया है कि साइट वेरिफिकेशन तथा डिमाण्ड नोट जारी करने के काम में गति लाई जाए। जिन फीडर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम प्रारम्भ हो गया है वहां नए कनेक्शन पर स्मार्ट मीटर ही लगाए जा रहे हैं। मैटेरियल विंग को भी निर्देश दिए गए हैं कि भण्डार में मीटर एवं केबल सहित सभी आवश्यक लाइन मैटेरियल की मांग के अनुरूप तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित कराएं ताकि कनेक्शन चाहने वाले आवेदक दीपावली जगमग रोशनी के साथ मना सकें।

इस प्रकार निगम के सभी 18 सर्किलों में से अलवर में 2234, भरतपुर में 2120, दौसा में 548, जयपुर सिटी सर्किल नॉर्थ में 158, जयपुर जिला सर्किल नॉर्थ में 783, झालावाड़ में 408, कोटा में 354, सवाई माधोपुर में 475, धौलपुर में 1283, बारां में 571, बूंदी में 262, करौली में 898, टोंक में 734, जयपुर सिटी सर्किल साउथ में 44, जयपुर जिला सर्किल साउथ में 1645, भिवाड़ी में 1164, कोटपूतली में 985 तथा डीग सर्किल में 1083 कनेक्शन जारी किए जाएंगे।

जयपुर के कांस्टीट्यूशनल क्लब में रविवार को प्रदेश का पहला जूनियर ''मॉडल यूनाइटेड नेशन'' (एम.यू.एम.) आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 7 से 10 वर्ष तक के बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों, कूटनीति व राजनीति के विषय में सिखाया गया और बहस करने के तरीके भी बताए गए। यह कार्यक्रम वर्णिका बिनानी अग्रवाल की ओर से आयोजित किया गया था, जिसमें यूनीसेफ राजस्थान में कार्यरत सामाजिक रूपरेखा विशेषज्ञ सक्फात हुसैन भी मौजूद थे।

नकली सरस और कृष्णा घी का भंडाफोड़

जयपुर । राज्य सरकार द्वारा संचालित ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार'' अभियान के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने ब्रह्मपुरी शंकर नगर एवं रामगढ़ मोड स्थित अग्रवाल एंड कंपनी के प्रतिष्ठानों पर दबिश देकर सरस एवं कृष्णा ब्रांड के लेबल लगे नकली घी को पकड़ा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में संदेह होने पर दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों से पुष्टि करवाई गई। जहां सरस घी के प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और उत्पाद को नकली करार दिया। उन्होंने ब्रह्मपुरी थाना में एफआईआर के लिए लिखित आवेदन प्रस्तुत किया। सरस घी का नमूना एफएसएस एक्ट के तहत विधिवत रूप से लिया गया। कृष्णा घी के प्रतिनिधि कमल टांक ने व्हाट्सएप के माध्यम से उत्पाद के नकली होने की पुष्टि की। मौके से कृष्णा घी का भी नमूना लिया गया तथा ब्रांड की नकल को देखते हुए शेष स्टॉक को सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई में विनोद कुमार शर्मा, नरेंद्र शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह, पवन गुप्ता, विशाल मित्तल और नरेश कुमार चेजारा शामिल रहे। सभी सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

प्रेमजाल में फंसाकर युवती से दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन भी कराया

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके मतें एक युवती को प्रेम जाल में फंसा कर खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा कर धर्म परिवर्तन करने व दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

थानाधिकारी दीपक त्यागी ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाली युवती का आरोप है कि वो प्राइवेट जॉब करती है। ऑफिस के ही सहकर्मी ने उसे प्रेम जाल में फंसा और शादी करने का झांसा दिया। इसी दौरान आरोपी ने धर्म परिवर्तन के कागजात दिखाकर उसे पर हस्ताक्षर करवा लिए और शादी का झांसा देकर उसके साथ अलग-अलग जगहों पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने आरोपी पर शादी का दबाव बनाया तो जाति का वास्ता देकर आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। खुद के साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।